

UPSC CSE 2017 MAINS PAPER 7 NOVEMBER 03, 2017 HISTORY OPTIONAL PAPER - II QUESTION PAPER

इतिहास (प्रश्न-पत्र-II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

HISTORY (PAPER-II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित कथनों में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए :

Critically examine the following statements in about 150 words each : 10×5=50

- (a) “मराठा राज्य का विघटन आन्तरिक दबाव के फलस्वरूप हुआ था।”

“The Maratha polity disintegrated through internal stress.”

- (b) “राजा (राजा राममोहन राय) की मेहनतों का प्रमुख महत्त्व भारत में मध्यकालीनता के बलों के विरुद्ध उनके संघर्ष में निहित प्रतीत होता है।”

“The chief value of Raja’s (Raja Rammohan Roy) labours seems to lie in his fight against the forces of medievalism in India.”

- (c) “भारत में रेल निर्माण की ब्रिटिश नीति उन्नीसवीं शताब्दी में ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद रही थी।”

“The British railway construction policy in India benefitted British economy in the nineteenth century.”

- (d) “आर्य समाज को भारत में पश्चिम से आयातित स्थितियों के परिणाम के रूप में, पूर्णतया तार्किकतः, घोषित किया जा सकता है।”

“The Arya Samaj may quite logically be pronounced as the outcome of conditions imported into India from the West.”

- (e) “श्री नारायण गुरु का सामाजिक सुधार आन्दोलन में, उपाश्रित (सबल्टर्न) परिप्रेक्ष्य की दृष्टि से, एक प्रधान मध्यक्षेप था।”

“Sri Narayana Guru’s was a major intervention in the social reform movement from a subaltern perspective.”

2. (a) उन्नीसवीं शताब्दी में अकालों की पुनरावृत्ति के लिए उत्तरदायी कारकों को स्पष्ट कीजिए। ब्रिटिश भारतीय सरकार ने कौन-से उपचारी उपाय अपनाए थे?

Explain the factors responsible for the recurrence of famines in the nineteenth century. What remedial measures were adopted by the British Indian Government? 20

- (b) उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करने में समाचारपत्रों की भूमिका का आकलन कीजिए।

Assess the role of press in arousing awareness on important social issues in the second half of the nineteenth century. 20

- (c) पंजाब के समामेलन की ओर ले जाने वाली ब्रिटिश साम्राज्यीय शक्ति के प्रमुख विचारों को रेखांकित कीजिए।

Underline the major considerations of the British imperial power that led to the annexation of Punjab. 10

3. (a) गदर आन्दोलन की उत्पत्ति की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए तथा भारत में क्रान्तिकारियों पर उसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

Trace the origin of the Ghadar movement and discuss its impact on the revolutionaries in India.

20

- (b) यह स्पष्ट कीजिए कि किस कारण 1942-1946 के दौरान भारत के सांविधानिक अवरोध का समाधान ढूँढ़ने के प्रयास असफल हो गए थे।

Explain why the efforts at finding solution to India's constitutional impasse failed during 1942-1946.

20

- (c) 1920-1940 के दौरान किसान सभाओं के अधीन कृषक आन्दोलनों के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature of peasant movements under the Kisan Sabhas during 1920-1940.

10

4. (a) विवेचना कीजिए कि गाँधी के सत्याग्रहों ने किस प्रकार भारतीयों के बीच भय के दौर को समाप्त किया था तथा इस प्रकार साम्राज्यवाद के एक महत्वपूर्ण खम्बे को उखाड़ फेंका था।

Discuss how the Satyagrahas of Gandhi removed the spell of fear among Indians and thus knocked off an important pillar of imperialism.

20

- (b) स्वतन्त्रता-उपरान्त अवधि में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकासों ने कहाँ तक भारत को आधुनिकीकरण के पथ पर अग्रसर कर दिया है?

How far the developments in science and technology in post-Independence period put India on the path of modernity?

20

- (c) भारतीय संघ के साथ राजसी रियासतों के द्वारा हस्ताक्षरित 'अधिमिलन प्रपत्र (इन्स्ट्रुमेंट ऑफ एक्सेशन)' और 'ठहराव समझौता (स्टैंडस्टिल एग्रीमेंट)' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the nature of 'Instrument of Accession' and 'Standstill Agreement' signed by the Princely States with the Indian Union.

10

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित कथनों में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए :

Critically examine the following statements in about 150 words each : 10×5=50

- (a) “कान्ट के तर्क की पुनर्परिभाषा तथा उसके द्वारा अन्तश्चेतना की पुनःस्थापना, प्रबोध (इन्लाइटनेमेंट) के प्रभावशाली तर्कबुद्धिवाद के विरुद्ध बौद्धिक प्रतिक्रिया के एक उच्च बिन्दु का सूचक था।”

“Kant's redefinition of reason and his rehabilitation of conscience marked a high point in the intellectual reaction against dominant rationalism of the Enlightenment.”

- (b) “गृह में नेपोलियन के कांसुली शासन के अन्तर्गत महान सुधारों के पीछे की भावना बोनापार्ट सेनानायक की विधियों का बोनापार्ट राजमर्मज्ञ के कार्य के लिए हस्तान्तरण करना था।”

“The spirit behind the great reforms of Napoleon’s Consulate at home was the transference of the methods of Bonaparte the general to the task of Bonaparte the statesman.”

- (c) “ग्रेट ब्रिटेन में चार्टिस्ट आन्दोलन की जड़ें आंशिक रूप से राजनीतिक एवं आंशिक रूप से आर्थिक थीं।”

“The roots of the Chartist movement in Great Britain were partly political and partly economic.”

- (d) “18 जनवरी, 1871 जर्मनी की ताकत एवं गौरव के लिए विजय का दिन था तथा 28 जून, 1919 उसके दण्ड का दिन था।”

“18 January, 1871 had been a day of triumph for the strength and pride of Germany and 28 June, 1919 was the day of chastisement.”

- (e) “9 नवम्बर, 1989 को बर्लिन दीवार के विध्वंस ने यूरोप में सहयोग के विचार को नया अर्थ प्रदान किया था।”

“The collapse of Berlin Wall on 9 November, 1989 brought new meaning to the idea of cooperation in Europe.”

6. (a) स्पष्ट कीजिए कि इंग्लैन्ड औद्योगिक क्रान्ति का अग्रदूत किस कारण बना था। साथ ही इसके सामाजिक परिणामों पर भी प्रकाश डालिए।

Explain why England became the harbinger of Industrial Revolution. Also throw light on its social consequences. 20

- (b) प्रथम विश्व युद्ध को आधुनिक इतिहास में प्रथम ‘सम्पूर्ण’ युद्ध की संज्ञा क्यों दी गई थी?

Why was the First World War termed as the first ‘total’ war in modern history? 20

- (c) विवेचना कीजिए कि कृषिभूमि संकट के साथ गहन औद्योगिक मंदी ने 1848 की क्रान्तियों को किस प्रकार उत्पन्न किया था।

Discuss how agrarian crisis accompanied by severe industrial depression triggered the Revolutions of 1848. 10

7. (a) जर्मन एकीकरण के प्रक्रम को, राजनयिक के साथ, किन निर्धारक कारकों ने सुगठित किया था?

What determinant factors, along with diplomatic, shaped the process of German Unification? 20

- (b) इस कथन का परीक्षण कीजिए कि “‘बोलशेविकवाद’ के खतरे ने न केवल 1917 की रूसी क्रान्ति के तुरन्त बाद के वर्षों के इतिहास को ही प्रभावित किया था, अपितु उस तारीख के बाद से विश्व के सम्पूर्ण इतिहास को भी प्रभावित किया था”।

Examine the statement that “the danger of ‘Bolshevism’ dominated not only the history of the years immediately following the Russian Revolution of 1917 but the entire history of the world since that date”. 20

- (c) स्पष्ट कीजिए कि बोलीवार के प्रयास लातीनी अमेरिकनों के संगठित मोरचा उत्पन्न करने में फलदायक होने में किस कारण विफल हो गए थे।

Explain why Bolivar's efforts failed to fructify in bringing about united stand of the Latin Americans.

10

8. (a) इटली में जनतन्त्र को उखाड़ फेंकने एवं फासीवादी तानाशाही को स्थापित करने वाली परिस्थितियों का परीक्षण कीजिए।

Examine the circumstances which led to the overthrow of democracy and the establishment of Fascist dictatorship in Italy.

20

- (b) “1980 के दशक तक आते-आते, सोवियत संघ की साम्यवादी व्यवस्था देश को एक महाशक्ति की भूमिका में बनाए रखने में असमर्थ थी।” प्रमाण दीजिए।

“By 1980s, the Communist System of Soviet Union was incapable of maintaining the country's role as a Superpower.” Substantiate.

20

- (c) इन्डोनेशिया में डच साम्राज्यवाद के स्वरूप का परीक्षण कीजिए।

Examine the nature of Dutch imperialism in Indonesia.

10
